महत्वपूर्ण एवं खास

रिंग रोड पर सड़क हादसा

रायपुर (आरएनएस)। भाठागांव फि ल्टर प्लांट के पास रिंगरोड में भीषण सडक़ हादसा हो गया। सोमवार सुबह तेज रफ्तार मिनी कूपर कार ऑटो को भीषण टक्कर मारने के बाद जगदलपुर की बस से उतरे यात्री को रौंदते हुए नेशनल हाइवे की रेलिंग तोडक़र फि ल्टर प्लांट की दीवार से टकरा गई। बताया जा रहा है कि कार चालक नशे की हालत में था। पुलिस ने कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है। मामला टिकरापारा थाना क्षेत्र का है।

ट्रक के नीचे आए बाइक चालक की मौके पर मौत, 1 अन्य घायल

कोरबा (आरएनएस)। जिले में सडक़ दुर्घटनाएं कम होने का नाम नहीं ले रही है। बेलगाम दौड भारी वाहनों की चपेट में आने से लोगों की मौत हो रही है। ग्राम भुलसीडीह के पास एक ट्रक के चपेट में आने से बाइक सवार व्यक्ति की कुचल जाने से मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मामले दर्ज कर वाहन जब्त कर लिया। भिलाइखुर्द के पास हुए एक अन्य दुर्घटना में बाइक सवार युवक घायल हो गया। घटना रजगामार पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम झगरहा वन विभाग के नाका के पास भुलसीडीह में रविवार की शाम घटित हुई। कोरबा की ओर लकड़ी लेकर जा रहा एक ट्रक क्रमांक सीजी 15 ए 3104 ने कोरबा से कोरकोमा की ओर जा रहे बाइक क्रमांक सीजी 13 एफ 0513 सवार को अपनी चपेट में ले लिया। इससे घटना स्थल पर ही बाइक सवार की मौत हो गई।

फांसी पर लटका युवक, पुलिस जांच में जुटी

गरियाबंद (आरएनएस)। जिला मुख्यालय से तीन किलोमीटर दूर ग्राम भिलाई के एक युवक का शव फांसी में लटका गाँव से लगें पैरी नदी के किनारे पाया गया जिसकी रिपोर्ट मृतक के परिजनों द्वारा गरियाबंद सीटी कोतवाली में किया गया , जिसमे कोतवाली पुलिस जांच कर रही है।घटना के विषय मे मिली जानकारी के अनुसार मृतक 25 वर्षीय ऐश्वर्य निषाद पिता महेश निषाद अपने दोस्तो के साथ पिकनिक मनाने गया था।वही शाम को ऐश्वर्य के अलावा सभी साथी वापस गाँव आ गए लेकिन ऐश्वर्य नही आया ,तब ऐश्वर्य के परिजनों के द्वारा पूछे जाने पर ऐश्वर्य को नदी किनारे रूके होने की बात साथियों द्वारा बताए।उसके पश्चात मृतक के परिजन ऐश्वर्य की तलाश में गए,जहाँ नदी किनारे एश्वर्य अपने ही गमछे के सहारे फांसी पर लटकते देखे।इस बात की जानकारी गरियाबंद सीटी कोतवाली को दिए तब पुलिस टीम शाम सात बजे मौके पर पहुची और शव का पंचनामा बनाते हुए शव को उतारे और जिला अस्पताल लेकर आए लेकिन शाम ज्यादा होंने के चलते मृतक का पोस्टमार्टम दूसरे दिन सुबह कराने की बात कहे।वही घटना पर मर्ग कायम करते हुए पुलिस जांच कर रही है।

अवैध हुक्का बार : तीन महिलाओं समेत 12 लोग उड़ा रहे थे धुंआ

दुर्ग (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में प्रतिबंध के बाद भी जिले के ढाबों में अवैध रूप से हुक्का परोसा जा रहा है। दुर्ग राजनांदगांव बाइपास के ढाबों में हुक्का परोसे जाने की शिकायतों पर पुलिस की टीम ने रविवार की रात को अंजोरा के सीजी प्राइड और बघेरा के द सर्किल लांज में छापामार कार्रवाई की। सीजी प्राइड में तीन महिलाओं समेत 12 लोग हुक्का पीते मिले। वहीं द सर्किल लांज में हुक्का पाट सेट, फ्लेवर और नशीले सामान मिले हैं। पुलिस दोनों होटल के तीन लोग के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। जिसमें सीजी प्राइड का मालिक भी शामिल है। जानकारी के मुताबिक़ रविवार की रात करीब 11 बजे आइपीएस अधिकारी वैभव बैंकर और निखिल राखेचा के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने दोनों ढाबों में दबिश दी। अंजोरा में सीडी प्राइड ढाबा में छोटी छोटी झोपडिय़ों के आकार के केबिन बनाए गए हैं। वहीं पर तीन महिलाओं समेत 12 लोग बैठकर हुक्का पी रहे थे। छापा मारने के पहले पुलिस ने अपने एक प्वाइंटर को वहां पर ग्राहक बनाकर भेजा। प्वाइंटर से इशारा मिलते ही पुलिस ने वहां पर छापा मारा। पुलिस ने होटल संचालक हरीश तलरेजा (54) निवासी नेहरू नगर और होटल के मैनेजर शेख मोहसिन (32) निवासी ममता नगर राजनांदगांव को गिरफ्तार किया है।

41 हजार 465 से ज्यादा युवाओं का बेरोजगारी भत्ता स्वीकृत

- बालोद जिले में सर्वाधिक 7 हजार 691 आवेदन
- दुर्ग जिले में 7 हजार 495 आवेदन हुए पंजीकृत
- बेरोजगारी भत्ता के पोर्टल पर अब तक एक लाख 17 सौ से अधिक पंजीयन
- 63 हजार 908 लोगों को बेरोजगारी भत्ता स्वीकृत करने की अनुशंसा
- कैरियर की राह में आर्थिक कठिनाईयों को हल करने में मददगार होगा बेरोजगारी भत्ता

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ में 01 अप्रैल 2023 को बेरोजगारी भत्ता योजना का शुभारंभ किया। शासन की इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभ लेने के लिए युवाओं में काफी उत्साह दिख रहा है। योजना के तहत केवल 24 दिनों के भीतर ही 41 हजार 465 से ज्यादा आवेदकों का बेरोजगारी भत्ता स्वीकृत किया गया है। योजना के तहत अब तक बेरोजगारी भत्ता के पोर्टल पर एक लाख 17 सौ 74 आवेदन मिले हैं और इनमें से दस्तावेज सत्यापन के बाद 63 हजार 908 लोगों को बेरोजगारी भत्ता स्वीकृत करने की अनुशंसा भी कर दी गई है।

मुख्यमंत्री बघेल की घोषणा के अनुरूप बेरोजगारी भत्ते की राशि 2,500 रूपए सीधे आवेदकों के बैंक खाते में डीबीटी द्वारा ट्रांसफर की जा रही है। योजना का उद्देश्य प्रदेश के बेरोजगारों को प्रतिमाह 2,500 रूपए का भत्ता देने के साथ-साथ उन्हें कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार योग्य बनाना है।

उल्लेखनीय है कि बेरोजगारी भत्ता योजना के शुभारंभ के पहले ही दिन 1 अप्रैल को शाम 5 बजे की स्थिति में इस पोर्टल में 4269 पंजीयन प्राप्त हुए थे। युवाओं का कहना है कि राज्य शासन से हर माह मिलने वाली 2500 रूपए की मदद उनके कैरियर बनाने की राह में आने वाली आर्थिक कठिनाईयों को हल करने में काफी मददगार होगी। योजना के शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री के हाथों बेरोजगारी भत्ता स्वीकृति आदेश पाने वाले हितग्राही अत्यंत प्रसन्न नजर आ रहे थे, उन्होंने 1 अप्रैल को ही बेरोजगारी भत्ते के लिए आवेदन किया था और उसी दिन उनका आवेदन स्वीकृत भी हो गया।

पूर्व में संचालित बेरोजगारी भत्ता योजना की तुलना में वर्तमान में लागू योजना कहीं अधिक सफल है। वर्ष 2015 में बंद की गई बेरोजगारी भत्ता योजना में अधिकतम 22 हजार आवेदकों को ही बेरोजगारी भत्ता स्वीकृत किया गया था, जबकि नई योजना के अंतर्गत पहले 24 दिनों के भीतर ही 41 हजार 465 से ज्यादा आवेदकों का भत्ता स्वीकृत किया जा चुका है।

इनमें बालोद जिले में सर्वाधिक 7 हजार 691, दुर्ग जिले में 7 हजार 495, रायपुर जिले में 6 हजार 43, बिलासपुर जिले में 5 हजार 977, जांजगीर-चांपा जिले में 5 हजार 556, धमतरी जिले में 5 हजार 511, कबीरधाम जिले में 4 हजार 775, कांकेर जिले में 3 हजार 420, सरगुजा जिले में 2 हजार 519, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में एक हजार 13, रायगढ़ जिले में 2 हजार 55, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले में 940, कोरिया जिले में 898, दंतेवाड़ा जिले में 641, नारायणपुर जिले में 403, कोण्डागांव जिले में 2 हजार 51, बीजापुर जिले में 441, खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई जिले में एक हजार 403, बस्तर जिले में 2 हजार 71, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में 929, मुंगेली जिले में 4 हजार 589, जशपुर जिले में 2 हजार 229, गरियाबंद जिले में 3 हजार 96, बलौदाबाजार जिले में 4 हजार 119, महासमुंद जिले में 4 हजार 482, राजनांदगांव जिले में 4 हजार 303, बेमेतरा जिले में 3 हजार 950, सक्ती जिले में 3 हजार 291, बलरामपुर जिले में एक हजार 596, सुकमा जिले में 582, सूरजपुर जिले में 2 हजार 387, सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में 2 हजार 871, कोरबा जिले में 2 हजार 446 आवेदन अब तक पंजीकृत हुए हैं।

हर दिन, 24 घंटे खुला है बेरोजगारी भत्ता पोर्टल- बेरोजगारी भत्ता योजना का पोर्टल 01 अप्रैल 2023 प्रात: से आवेदकों के लिए प्रारंभ हो चुका है। आवेदकों द्वारा इस पोर्टल पर पहले दिन से ही बड़ी संख्या में आवेदन किया जा रहा है। आवेदकों का कहना है कि पोर्टल द्वारा आवेदन करना बहुत ही आसान है, जिसमें वे आवश्यक समस्त दस्तावेजों को भी अपलोड कर रहे हैं, इस कार्य में किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो रही है।

बेरोजगारी भत्ता योजना के लिए आवेदन करने की कोई अंतिम तिथि निर्धारित नहीं है और ना ही पोर्टल के खुलने या बंद होने का समय तय किया गया है। पोर्टल समस्त दिनों के लिए 24 घंटे खुला है, आवेदक इस पोर्टल पर अपनी सुविधा अनुसार कभी भी आवेदन कर सकते हैं। बेरोजगारी भत्ता योजना के आवेदक को छत्तीसगढ़ का मूल निवासी होना आवश्यक है। योजना के लिए आवेदन किए जाने वाले वर्ष के 1 अप्रैल को आवेदक की उम्र 18 से 35 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आवेदक मान्यता प्राप्त बोर्ड से कम से कम हायर सेकेण्डरी यानी 12वीं कक्षा पास हो। साथ ही छत्तीसगढ़ के किसी भी जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र में पंजीकृत हो और आवेदन के वर्ष की 1 अप्रैल की स्थिति में हायर सेकेण्डरी या उससे अधिक योग्यता से उसका रोजगार पंजीयन न्यूनतम दो वर्ष पुराना हो।

अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर राजधानी में आयोजित होगा श्रम सम्मेलन

- रायपुर में दो मई को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और मितानिनों और तीन मई को ग्राम कोटवार, पटेल और होम गाड्र्स का होगा सम्मेलन
- मुख्य सचिव ने ली तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक, अधिकारियों को सौंपे दायित्व

रायपुर (आरएनएस)। अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर श्रम के सम्मान के लिए और प्रदेश के विकास को गति देने में श्रमिकों की विशेष भूमिका को देखते हुए राजधानी रायपुर में श्रमिक सम्मेलन के आयोजन का निर्णय शासन द्वारा लिया गया। स्थानीय साईंस कॉलेज मैदान में आयोजित सम्मेलन में प्रदेशभर के श्रमिक हिस्सा लेंगे। श्रम विभाग द्वारा श्रमिक कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं से जिन हितग्राहियों को लाभ पहुंचा है, उनका सम्मान भी सम्मेलन के माध्यम से किया जाएगा।

इसके साथ ही राजधानी रायपुर के साईंस कॉलेज मैदान में 02 मई को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और मितानिनों का सम्मेलन आयोजित किया जाएगा तथा 3 मई को ग्राम कोटवार, पटेल और होम गाड्र्स का सम्मेलन आयोजित होगा। इन आयोजनों की तैयारियों के सिलसिले में मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक ली और आयोजन की रूपरेखा तय करते हुए अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी।

मुख्य सचिव ने कहा कि श्रम सम्मेलन हेतु जिम्मेदारी श्रम विभाग, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और मितानिन सम्मेलन की जिम्मेदारी महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग और ग्राम कोटवार, पटेल तथा होम गाड्र्स सम्मेलन की जिम्मेदारी राजस्व एवं गृह विभाग की होगी। सभी कार्यक्रमों का समन्वय श्रम सचिव अमृत खलखो करेंगे।

बैठक में मुख्य सचिव ने कहा कि हमेशा से हमारे प्रदेश के श्रमिक कड़ी मेहनत करते हैं और सुबह बोरे-बासी खाकर काम पर निकलते हैं। बोरे और बासी छत्तीसगढ़ का परंपरागत खाद्य पदार्थ हैं। यह हमारी मेहनतकश संस्कृति से जुड़ा खाद्य पदार्थ है और गर्मियों में कड़ी मेहनत के लिए तैयार करता है। मुख्यमंत्री की मंशानुरूप श्रमिक दिवस के दिन हम अपने इस लोकप्रिय खाद्य परंपरा के अनुरूप जिलों में ऐसे कार्यक्रम आयोजित करें, जिसमें बोरे-बासी का स्वाद लेकर नागरिक श्रम के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करें।

आज हुई बैठक में श्रम विभाग के सचिव अमृत खलखो, राजस्व विभाग के सचिव एनएन एक्का, गृह सचिव अरुण देव गौतम, संचालक जनसंपर्क सौमिल रंजन चौबे, कलेक्टर रायपुर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे, नगर निगम रायपुर आयुक्त मयंक चतुर्वेदी एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी शामिल हुए।

आंधी-बारिश और जोरदार ओलावृष्टि से 30 से ज्यादा बगुलों की हुई मौत

कोंडागांव | आरएनएस

जिले के फरसगांव क्षेत्र में तेज आंधी के साथ बारिश और जोरदार ओलावृष्टि से एक पेड़ में बैठे 30 से ज्यादा बगुलों की मौत हो गई है, वहीं कई बगुले घायल हो गये हैं। जैसे ही लोगों को पता चला कि घायल बगुले जमीन पर पड़े हुए हैं, लोगों की भीड मौके पर पहुंच गई और वे लोग बगुलों को उठाकर ले गये। वहीं इसकी सूचना जब वेटनरी विभाग को लगी, तब वे मौके पर पहुंचकर घायल बगुलों को उपचार के लिए अपने साथ ले गए हैं। तेज आंधी के साथ बारिश-ओलावृष्टि के चलते कई इलाकों में गेहूं, मक्का एवं सब्जी की फसलों को नुकसान हुआ है। मौसम विभाग ने अगले दो दिन बस्तर संभाग में तेज आंधी के साथ बारिश की संभावना व्यक्त की है। राकेश पांडे

नक्सलियों के तालाब निर्माण में लगे चैन माउंटेन मशीन व ट्रक को आग के हवाले किया

नारायणपुर (आरएनएस)। जिले के अबूझमाड़ के कोहकामेटा इलाके के बेचा गांव में आज नक्सलियों के कुतुल एरिया कमेटी ने तालाब निर्माण कार्य में लगे चैन माउंटेन मशीन और एक ट्रक को आग के हवाले कर दिया गया है, जो पूरी तरह जलकर नष्ट हो गया है। वहीं नक्सलियों ने बैनर पोस्टर भी लगाए हैं। इसके अलावा एक रिटायर्ड हेडमास्टर को धमकी दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नक्सली सोमवार सुबह गांव में पहुंचे और इस आगजनी की घटना को अंजाम दिया है। नक्सलियों का कहना है कि जमींदार ने गरीबों की जमीन हड़प ली है। नक्सलियों ने आगजनी करने के बाद एक पर्चा जारी किया है। जिसमें उन्होंने लिखा है कि जमींदार (रिटायर्ड हेडमास्टर) ने गरीबों की जमीन हड़प ली है। हमने 2015 में एक जनअदालत के दौरान उसे सुधरने के लिए कहा था, मगर ये नहीं मान रहा है। नक्सलियों ने लिखा है कि यदि गरीबों की जमीन पर कब्जा करना बंद नहीं किया तो अंजाम बुरा होगा। नक्सलियों ने इन जमीनों को वापस गांव के लोगों को देने की मांग की है।

पानी की तलाश में गांव की ओर पहुंच रहे हिरण, हो रहे कुत्तों का शिकार

कोरबा (आरएनएस)। तपत धूप का असर तेज होने के साथ वनक्षेत्रों जल संकट बढऩे लगी है। पानी की तलाश में भटककर गांव की ओर आने वाले आधा दर्जन से अधिक हिरण हर साल कुत्तों का शिकार हो जाते हैं। इसके बाद भी वन विभाग में वन्य जीवों के पेयजल सुनिश्चत करने के लिए सासरपीट यानि पानी पीने का कुंड नहीं बनाया गया है।

जिले कोरबा व कटघोरा वन मंडलों में पाली, चैतमा करतला ऐसे वन परिक्षेत्र हैं जहां हिरण बहुतायत संख्या में पाए जाते हैं। क्षेत्रों में पेड़ों की लगातार कटाई के कारण अनुकूल वातावरण वन्य जीवों के लिए प्रतिकूल होने लगे हैं। पानी की तलाश में हिरण झुंड के झुंड गांव के तालाब में प्यास बुझाने आते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में कुत्तों की संख्या बढऩे से हिरणों का अस्तित्व खतरे में आ गया है। सघन जंगल होने से हिरण सहित अन्य वन्य जीव सुरक्षित थे। बसाहट बढऩे से वन भूमि भी सिमटने लगी है। लोगों की बसाहट के साथ कुत्तों का दखल वन क्षेत्रों में बढ़ गया है। जंगल से लगे राहा, सपलवा, मदनपुर, मड़वारानी पहाड़ के आसपास गांवों के तालाबों में आए दिन हिरणों को पानी पीने के लिए आते देखा जा सकता है।

कुत्तों की बढ़ती संख्या समस्या बनी हुई है। शिकार के कारण हर साल इन क्षेत्रों 10 से 12 हिरणों की मौत हो जाती है। कुत्तों की नशबंदी केवल शहरी क्षेत्रों तक है। वन विभाग की ओर से इस मामले में कारगर कदम नहीं उठाए जाने की वजह से हिरण ग्रामीण कुत्तों की आतंक का हर साल शिकार होते हैं। सुरक्षा के व्यापक उपाय नहीं किए जाने की वजह से कुत्ते हिरण ही नहीं बल्कि गांव में गाय, बकरी, बछड़े को भी अपना शिकार बनाते हैं। संख्या अधिक होने से छोटे बच्चों के लिए भी घातक होते हैं। जिला प्रशासन की ओर से मामले को गंभीरता से नहीं लिए जाने की वजह से है। आए दिन अस्पतालों में कुत्तों के काटने से इलाज कराने के लिए आने वालों की संख्या बढ़ रही है।

विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा के 600 बच्चे हुए कुपोषण मुक्त

- 232 आंगनबाड़ी केन्द्रों में 3500 बच्चों को हर सप्ताह दो दिन दिया जा रहा अंडा

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर प्रदेश में कुपोषण मुक्ति के लिए अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत दूरस्थ आदिवासी और पिछड़े इलाकों में बच्चों के कुपोषण मुक्ति के लिए विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। इसके उल्लेखनीय परिणाम सामने आए हैं। जशपुर जिले में लगभग 600 कुपोषित बच्चे कुपोषण के दुष्चक्र से बाहर आ गए है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान से प्रदेश में लगभग 2 लाख 65 हजार बच्चे कुपोषण मुक्त हो चुके हैं।

जिले की मनोरा, आस्ता, सन्ना, बगीचा चार परियोजनाओं के 232 आंगनबाड़ी केन्द्रों में खनिज न्यास निधि से सप्ताह में दो दिन बुधवार और शुक्रवार को विशेष पिछड़ी जनजाति के 3500 पहाड़ी कोरवा बच्चों को अंडा वितरण की शुरूआत की गई है। साथ ही बच्चों की बौद्धिक क्षमता को बढ़ाने प्रारंभिक शिक्षा भी दी जा रही है। बच्चों को आंगनबाड़ी केन्द्रों में पौष्टिक आहार मिलने और समुचित देखभाल से बड़ी संख्या में बच्चे सेहतमंद हो रहे हैं।

महिला एवं बाल विकास अधिकारी ने बताया कि कुपोषण को दूर करने के लिए आंगनबाड़ी केन्द्र के पर्यवेक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका द्वारा गृह भेंट करके पालको को जागरूक किया जा रहा है। गृहभेंट के दौरान पालकों को बच्चों को पौष्टिक भोजन आहार खिलाने की समझाईश दी जा रही है। साथ ही आंगनबाड़ी केन्द्रों में भेजने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके सकारात्मक और सार्थक परिणाम सामने आ रहे हैं।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com
Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526
Join SJU
अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी साकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जायेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य तथा में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जायेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जायेगी, और उनमें संघ के द्वारा अधिकारिक नियुक्तियाँ की जायेगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जायेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जायेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जायेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जायेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जायेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जायेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के मूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र
:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।
Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

आई.आई.आई.टी. नवा रायपुर का तृतीय दीक्षांत समारोह सम्पन्न

- विद्यार्थी राष्ट्र की सेवा में तत्पर रहें : राज्यपाल
- विद्यार्थी अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग राज्य और देश के निर्माण में करें : मुख्यमंत्री बघेल

रायपुर (आरएनएस)। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन आज डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी आई.आई. आई.टी. नवा रायपुर के ''तृतीय दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। राजभवन से राज्यपाल समारोह में वर्चुअल तरीके से सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने सभी पदक एवं उपाधि प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी और कहा कि सभी विद्यार्थी राष्ट्र की सेवा में तत्पर रहें।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। ट्रिपलआईटी नवा रायपुर के ऑफिसियेटिंग बोर्ड चेयरमैन स्टीवन ए. पिंटो ने समारोह की अध्यक्षता की। विशेष अतिथि उद्योग मंत्री कवासी लखमा, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के पूर्व महानिदेशक और ब्रम्होस एयरोस्पेस नई दिल्ली के पूर्व सीईओ डॉ. सुधीर कुमार मिश्रा, ट्रिपलआईटी नवा रायपुर के निदेशक डॉ. प्रदीप के. सिन्हा समारोह में उपस्थित थे। दीक्षांत समारोह में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित अतिथियों ने विद्यार्थियों को मैडल तथा डिग्री प्रदान की। तीन विद्यार्थियों को पीएचडी, 15 विद्यार्थियों को एमटेक और 113 विद्यार्थियों को बीटेक की उपाधि प्रदान की गई।

राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने दीक्षांत समारोह में कहा कि देश को आज इस मुकाम तक पहुंचाने में हमारे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने असंख्य कुर्बानियां दी हैं। महात्मा गांधी, सुभाष चन्द्र बोस और अनेक सेनानीयों ने अपने-अपने तरीकों से भारत को ब्रिटिश शासन से मुक्ति दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गांधी जी के अहिंसात्मक तरीके से देश को आजाद कराने की कोशिशों पर पूरे विश्व को बहुत आश्चर्य हुआ था। गांधी जी ने समाज के सभी वर्गो, विशेष कर विद्यार्थियों को भी आजादी के आंदोलन में शामिल होने का आव्हान किया। नेता जी सुभाष चंद्र बोस ने दिल्ली चलो का नारा देकर सभी लोगों से सशस्त्र संग्राम में शामिल होने की अपील की थी।

राज्यपाल ने ट्रिपल आई.टी. द्वारा कृषि वानिकी एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्र में अनुसंधान किए जाने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों को समाज, राज्य और राष्ट्र की सेवा में विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार करने के लिए प्रोत्साहित किया ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के निवासियों का जीवन स्तर बेहतर हो सके। उन्होंने जलवायु परिवर्तन, स्वच्छ ऊर्जा, एनालिटिक्स में विशेष रूप से कार्य करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि आपके हाथ में, आपके भविष्य के साथ ही भारत का भविष्य भी जुड़ा हुआ है। अभी भारत, स्वतंत्रता का 75वां महोत्सव 'अमृत काल' मना रहा है। शीघ्र ही हम स्वतंत्रता के 100 साल का महोत्सव मनायेंगे।